श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में स्मिथ-वॉर्नर की वापसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एडिलेड। अगले साल अपनी सरजमीं पर होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी की है। दोनों गेंद से छेड़खानी प्रकरण के कारण प्रतिबंध झेल रहे थे लेकिन टेस्ट और वनडे के बाद अब टी20 टीम में उनकी वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे प्रारूपों में सफलता के बावजूद अभी तक टी20 विश्व कप नहीं जीता है। वह 2010 में फाइनल में पहुंची थी। राष्ट्रीय चयनकर्ता ट्रेवर होंस ने कहा, श्हमने ऐसी टीम चुनी है, जो हमें आगे तक ले जा सकती है। सभी को अपनी भूमिका पता है और टीम की जरूरत के अनुसार सभी ढल सकते हैं। आरोन फिंच की कप्तानी बरकरार रखी गई है चूंकि स्टीव स्मिथ मार्च तक कप्तान नहीं हो सकते। एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्मिथ पर बल्लेबाजी का अधिकांश दारोमदार होगा। वहीं वॉर्नर ने इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक रन बनाए हैं। गेंदबाजी का जिम्मा पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के साथ एंड्रयू टाय, केन रिचर्डसन और बिली स्टानलेक संभालेंगे। दूसरी ओर पाकिस्तान का तीन मैचों की सीरीज में सूपड़ा साफ करने के बाद श्रीलंका के हौसले बुलंद हैं।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने खिलाड़ियों को पानी पिलाकर जीत लिया दिल

क्रिकेट

लो स्कोरिंग मुकाबले में प्रधानमंत्री इलेवन ने श्रीलंका को एक विकेट से दी मात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कैनबरा। खेल के मैदान पर कई बार ऐसे लम्हे आते हैं, जो सभी का दिल जीत लेते हैं और इन लम्हों की मिसाल सालों–साल दी जाती है। ऐसा ही एक लम्हा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट मैदान पर लोगों के दिलों हमेशा–हमेशा के लिए अपनी छाप छोड़ गया। यहां मनूका ओवल मैदान पर खेले गए एक मैच में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने अपने खिलाड़ियों को 12वें खिलाड़ी के रूप में खुद पानी पिलाया। सोशल मीडिया पर लोग ऑस्ट्रेलियाई पीएम की इस खेल भावना की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

खेल भावना के तौर पर खिलाड़ियों को यही सिखाया जाता है कि खेल के मैदान पर कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री जब खिलाड़ियों के लिए ड्रिंक्स लेकर मैदान पर उतरे तो उन्होंने खेल की इस सीख को एक बार फिर सही साबित कर दिया। दरअसल श्रीलंका की टीम इन दिनों ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है। यहां मनुका ओवल मैदान पर लंकाई टीम प्रैक्टिस मैच के तौर पर अपना एक मैच प्रधानमंत्री इलेवन के खिलाफ खेल रही थी। इस टी20 मुकाबले में प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन वाटरबॉय बने नजर आए। मैदान पर क्रेट में पानी लाते मॉरिस को उनकी टीम के ही खिलाड़ियों समेत दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों ने देखा तो सब हैरान रह गए। टीवी कैमरे और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर भी हैरान थे कि किसी देश के प्रधानमंत्री अपने ही खिलाड़ियों के लिए ड्रिंक्स मैदान पर लेकर दौड़ते–दौड़ते आ रहे हैं। मॉरिसन के इस दिल छू लेने वाले लम्हे की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

सौरभ गांगुली ने बीसीसीआई का संभाला पदभार।

प्रधानमंत्री मॉरिसन जिस वक्त अपने खिलाड़ियों को ड्रिंक्स देने के लिए मैदान पर उतरे, तब श्रीलंका की टीम बैटिंग कर रही थी। पारी के 16वें ओवर के बाद अंपायरों ने ड्रिंक्स का ऐलान किया तो ऑस्ट्रेलियाई पीएम दौड़ते हुए हाथ में ड्रिंक्स लेकर मैदान पर आए। इस दौरान कंगारू खिलाड़ियों अपने पीएम से ड्रिंक्स ली और सभी ने उनके जज्बे की तारीफ की। पीएम को ड्रिंक्स मैदान में लाता देख मैच का प्रसारण कर रहे चौनल की ऐंकर भी अपने कैमरामैन के साथ मैदान पर आ गईं। पीएम ने मुस्कुराते हुए उनका अभिवादन किया।

इस लो स्कोरिंग टी20 मैच में पीएम इलेवन ने श्रीलंका पर एक विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में पहले बैटिंग करने आई मेहमान श्रीलंका की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर सिर्फ 130 रन ही बना पाई। इस लक्ष्य के जबाव में पीएम इलेवन की बैटिंग में कुछ खास नहीं नजर आई।

अगर कोहली–कुंबले तकरार आज हुई होती तो क्या करते सौरभ गांगुली?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को उसका नया अध्यक्ष सौरभ गांगुली के रूप में मिल गया है। दुनिया में आज भारतीय टीम का दबदबा बना है तो इसकी शुरुआत सौरभ गांगुली ने ही की थी। मजबूत भारतीय टीम तैयार करने की बुनियाद सौरभ गांगुली ने तब रखी थी, जब वर्ष 2000 में उन्हें टीम इंडिया का कप्तान चुना गया।

बीसीसीआई अध्यक्ष बने सौरभ गांगुली से क्रिकेट बिरादरी और उनके फैन्स को यह उम्मीदें हैं कि दादा यहां सबकुछ सही ट्रैक पर ले आएंगे। क्योंकि वह क्रिकेट असोसिएशन ऑफ बंगाल मे प्रशासक के तौर पर भी खुद को साबित कर चुके हैं और टीम इंडिया के कप्तान भी रह चुके

गांगुली के नेतृत्व वाली सीएसी ने कुंबले को चुना था कोच

हैं। ऐसे में दादा खिलाड़ियों का पक्ष और उनकी जरूरतों को भी समझते हैं और प्रशासनिक तौर पर मैनेजमेंट की कार्यशैली से भी परिचित हैं।

...तो क्या अनिल कुंबले बने रहते टीम इंडिया के कोच!

अब एक पल के लिए इंग्लैंड में आयोजित हुई चौंपियंस ट्रोफी 2017 के समय को भी याद कीजिए। इस टूर्नामेंट के दौरान यहां भारतीय टीम के कप्तान और कोच में आपसी तकरार सामने आई। यह तकरार इतनी अधिक हो गई थी कि कोच और कप्तान इस अहम टूर्नमेंट में एक–दूसरे से बात भी नहीं कर रहे थे। टूर्नमेंट खत्म होते ही कोच अनिल कुंबले ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अनिल कुंबले की कोचिंग में टीम इंडिया कामयाब हो रही थी और उनका दोबारा कोच बनना भी तय दिख रहा था। लेकिन कप्तान–कोच की तकरार ने सारे समीकरणों को बदल कर रख दिया।

कप्तान-कोच की तकरार का गांगुली ने भी किया है सामना

एक बार कोच–कप्तान की तकरार का शिकार खुद दादा बने थे, जब ग्रेग चैपल की कोचिंग के दौरान गांगुली के हाथ से न सिर्फ टीम इंडिया की कप्तानी गई थी बल्कि उन्हें करीब डेढ़ साल तक टीम इंडिया से बाहर भी बैठना पड़ा था। कोहली–कुंबले तकरार मामले का एक पहलू यह भी था कि अनिल कुंबले भारतीय टीम का कोच गांगुली के चाहने के बाद ही बने थे।

बुमराह, इशांत, शमी और उमेश की चौकड़ी की रफ्तार में है दम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। 8 दशक से ज्यादा पुराने भारतीय क्रिकेट इतिहास में कई दिग्गज तेज गेंदबाज हुए हैं। वैसे तो भारत के क्रिकेट इतिहास में स्पिन गेंदबाजों की अनगिनत उपलब्धियों से भरा रहा है लेकिन कुछ ऐसे तेज गेंदबाज रहे हैं, जो हमेशा अपनी नाम इतिहास के पन्नों मे दर्ज कराने का काम भी किया है। फिर भले वो कपिल देव हो या जवागल श्रीनाथ हो या जहीर खान। तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल नहीं मानी जाने वाली पिचों पर भी इन महारथियों ने अपना खून–पसीना एक कर लंबे लंबे स्पेल डालने से परहेज नहीं किया और भारतीय टीम की जीत में अकसर अहम योगदान दिया।

हालांकि जब बात मौजूदा पीढ़ी के भारतीय तेज गेंदबाजों की छिड़ती है तो अधिकांश पूर्व खिलाड़ी और एक्सपर्ट फिलहाल खेल रही तेज गेंदबाजों की चौकड़ी को भारतीय क्रिकेट इतिहास का सर्वकालिक श्रेष्ठ तेज गेंदबाजी आक्रामण करार देने से जरा भी नहीं हिचकते। मौजूदा गेंदबाजों और बीते जमाने के गेंदबाजों के बीच तुलना होना आम बात है लेकिन तर्क और आंकड़ों की कसौटी पर ये तुलना कितनी फिट बैठती है, ये समझना जरूरी है।

न्यूज डायरी

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे केन विलियमसन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंग्टन। न्यू जीलैंड के कप्तान केन विलियमसन कूल्हे की चोट के फिर से उभरने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आगामी ट्वेंटी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। टीम के अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। इससे उनकी अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज टिम साउदी टीम की अगुआई करेंगे। विलियमसन के नवंबर के अंत में मेहमान टीम के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में वापसी की उम्मीद है। कोच गैरी स्टीड ने कहा कि यह वही चोट है, जिसने विलियमसन को मार्च में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान परेशान किया था। स्टीड ने कहा, यह केन के लिए निराशाजनक है लेकिन हमें लगता है कि आगे के व्यस्त सत्र को देखते हुए यह सही फैसला है। सीरीज शुक्रवार से एक नवंबर से क्राइस्टचर्च में शुरू हो रही है।

वावरिंका चोट के कारण फेडरर के खिलाफ मुकाबले से हटे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बासेल। स्टैन वावरिंका को पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को रोजर फेडरर के खिलाफ होने वाले बासेल क्वार्टरफाइनल से हटने के लिये बाध्य होना पड़ा। इससे पहले उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले में अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो को 6–3 3–6 7–5 से शिकस्त दी थी और एक घंटे बाद ही उन्हें हटना पड़ा। तीन बार के 34 साल के ग्रैंडस्लैम विजेता ने कहा, ''बुरी खबर यह है कि मुझे रिटायर होना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अंतिम गेम में मेरी पीठ में कुछ समस्या हो गयी। मैं कल के मुकाबले में नहीं खेल पाऊंगा। मुझे हटना पड़ेगा।'' इससे शीर्ष वरीय फेडरर को शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल के लिये वाकओवर मिल गया।

पैदलचाल खिलाड़ी के टी इरफान सैन्य विश्व खेलों में पदक से चूके

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वुहान। ओलंपियन के टी इरफान सातवें विश्व सैन्य खेलों में कांस्य पदक से चूक गए और 20 किलोमीटर पैदलचाल में चौथे स्थान पर रहे । इरफान ने एक घंटे 25 मिनट और नौ सकंड का समय निकाला । चीन के शू हाओ एक घंटे 22 मिनट और 18 सेकंड का समय निकालकर अव्वल रहे । उक्रेन के शूमिक विक्टर ने रजत और स्लोवाकिया के उराउनिक मिरोस्लाव ने कांस्य पदक जीता । इरफान इससे पहले लंदन ओलंपिक 2012 में दसवें स्थान पर रहे थे जब उन्होंने एक घंटे 20 मिनट और 21 सेकंड का समय निकाला । वह मार्च में एशियाई पैदलचाल चौम्पियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर पहले ही तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके हैं । उन्होंने एक घंटे 20 मिनट और 57 सेकंड में दूरी तय की थी जबकि तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने का मानक एक घंटा 21 मिनट है ।

सैमसन को टीम में शामिल किए जाने से खुश हुए गंभीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। क्रिकेटर से राजनेता बने गौतम गंभीर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए संजू सैमसन को भारतीय टीम में शामिल किए जाने पर खुशी जताई है। गौतम गंभीर ने कहा कि इसका लंबे समय से इंतजार था। गंभीर लंबे समय से केरल के इस क्रिकेटर को टीम में शामिल किए जाने की पैरवी कर रहे थे। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज तीन नवंबर से खेली जाएगी। गंभीर ने ट्वीट किया, संजू सैमसन को टी20 टीम में शामिल किए जाने की बधाई। इस मौके का पूरा फायदा उठाना संजू। इसका लंबे समय से इंतजार था।